Drawing & Painting

Subject Code - 162

(For deaf & dumb candidates only)

Time - 3 Hrs. कक्षा – 10वीं M.M. 100

Composition

Original Composition to be completed in Water Colours. Simple Subjects of two Persons Such as "Mother & Child" Workers "workship", Festival, "Visitors", "Beggars", Farmers etc with suitable backgroud.

Object Drawing

Object Drawing consisting of three objects of household use such as utensils of various shapes to be finished in water colour. Objects should not be more than three in number.

भारतीय संगीत गायन या वादन

Subject Code - 161

(मूक बधिर तथा नेत्रहीन छात्रों के लिए)

कक्षा 10वीं

समय 3 घंटा पूर्णांक 100

सैद्धांतिक - 75

प्रायोगिक - 25

क्रमांक	विषय वस्तु
01	स्वर ताल लिपि का ज्ञान
02	सांगीतिक परिभाषा
03	रागों के अवयव
04	जीवन परिचय
05	ताल लिपि
06	रागों का परिचय
07	स्वर लिपि लिखना
08	संगीत विषयक निबंध

1. दो लोकगीत, दो राष्ट्रीयगीत एवं भजन का गायन
2. स्वर व राग पहचानना
3. पाठ्यक्रम के रागों का आरोह-अवरोह, पकड़ करने की क्षमता ।

प्रायोगिक

1. इच्छानुसार गाये जाने वाला राग का बड़ा ख्याल अथवा छोटा ख्याल
   आलाप तान सहित गायन
2. परीक्षक के अनुसार पूछा जाने वाला छोटा ख्याल तान सहित
3. पाठान्तर, ध्रुपद, धमार, तराना दुगुन सहित
4. ताल ज्ञान – विभिन्न तालों को हाथ से ताल देकर बोलना ठाह, दुगुन सहित
5. स्वर एवं रागों को पहचानना ।

योग सैद्धांतिक 75 अंक
प्रायोगिक 25 अंक
पूर्णांक - 100 अंक

अथवा

तबला या पखावज (X)

समय 3 घंटा

पूर्णांक 100
सैद्धांतिक 75
प्रायोगिक 25

सैद्धांतिक

1. बोल, पेशकार, कायदा, मुखड़, बोलो का किस प्रकार प्रस्तुतीकरण किया जायेगा ।
2. उपरोक्त तालों को विष्णु, दिगम्बर, पलुस्कर, और विष्णु नारायण भातखण्डे स्वर लिपि पद्धति से लिखने का अभ्यास ।

प्रायोगिक

1. कायदा, मुखड़ा, पेशकार, त्रिताल और चौताल में एवं इनसे संबंधित प्रश्न

योग सैद्धांतिक 75 अंक
प्रायोगिक 25 अंक
योग - 100 अंक

01 स्वर ताल लिपि का ज्ञान -

पं. विष्णु नारायण भातखण्डे व पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर की स्वर ताल लिपि पद्धति

02 संगीत की परिभाषा -

नाद, श्रुति, स्वर, सप्तक, थाट, राग, वादी, संवादी, विवादी, अनुवादी, लय, विभाग, सम, ताली, वर्जित स्वर, तान आलाप, थाट और राग में अन्तर

03 रागों के अवयव -

स्थायी, अन्तरा, संचारी, आभोग, शुद्ध छायालग, संकीर्ण राग। आश्रय राग

04 जीवन परिचय -

स्वामी हरिदास, तानसेन, विष्णु नारायण भातखण्डे, विष्णु दिगम्बर पुलस्कर, कंठे महाराज, फैयाज खां।

05 ताल लिपि -

दादरा, कहरवा, तीव्रा, झपताल, एकताल, चौताल एवं त्रिताल का ठाह व दुगुन लय में लिखना

06 रागों का परिचय-

यमन, भैरव, आसावरी, केदार, ब्रिंदावनीसारंग

07 स्वर लिपि लिखना -

पाठ्यक्रम के रागों के मध्यलय बंदिश की स्वरलिपि लिखना

08 संगीत विषयक निबंध -

प्रायोगिक

1. राग-

यमन, भैरव, आसावरी, केदार, ब्रिंदावनी सारंग
रागों में सरगम लक्षणगीत छोटाख्याल तानें सहित।
एक बड़ा ख्याल, एक ध्रुवपद, एक धमार, एक तराना

2. ताल -

दादरा, कहरवा, तीव्रा, झपताल, चौताल, एकताल, त्रिताल, तालों का ठाह, दुगुन लय में हाथों से प्रदर्शन।